ज्योतिष सीखने का सुनहरा अवसर!

यदि आप बनना चाहते हैं 'सम्पूर्ण ज्योतिषी'

तो जुड़िए IIVSc से और करिए 'अपना सपना साकार'

The Institute of Indian Astrology and Vedic Sciences
IIVSc
JAIPUR

ज्योतिष सीखने के
4 पाठ्यक्रम

CASc
6 Months Course

DASc
1 Year Course

ADASc
2 Years Course

GDASc
3½ Years Course

ज्योतिष सागर द्वारा संस्थापित

भारतीय ज्योतिष एवं वैदिक विज्ञान संस्थान®

The Institute of Indian Astrology and Vedic Sciences (IIVSc)

75/1, शिप्रापथ, टैगोर लेन के पास, मानसरोवर, जयपुर -302 020
फोन : 0141-2780111, 9772333388
Email : iivsc.jaipur@gmail.com web : astrologycourse.in

CASc

Duration 6 Months

Certificate in Astrological Sciences

ज्योतिर्विज्ञान में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (CASc) भारतीय ज्योतिष की प्रचलित विधाओं पर आधारित परिचयात्मक पाठ्यक्रम है। छह माह के इस पाठ्यक्रम से शिक्षार्थी जन्मकुण्डली निर्माण के साथ-साथ वर्गकुण्डली का निर्माण एवं दशाओं की गणना आसानी से कर लेता है। कुण्डली एवं उसमें विद्यमान योगों और दशाओं के आधार पर फलादेश करने की क्षमता का पर्याप्त विकास भी शिक्षार्थी को होता है। इस पाठ्यक्रम में पंचांग के विभिन्न अंगों का परिचय और उसे देखने की विधि तथा मुहूर्त निकालने का तरीका भी बताया जाता है। अष्टकवर्ग के निर्माण एवं उनके आधार पर फलकथन तथा गोचर में ग्रहों के फलों और शनि की साढ़ेसाती, ढैया आदि के फलों को जानने की क्षमता भी शिक्षार्थियों में विकसित होती है। इस पाठ्यक्रम की सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि कुण्डली में विद्यमान दोषों की जानकारी के साथ उनका मन्त्र, अनुष्ठान, रत्न, रुद्राक्ष, यन्त्र, इत्यादि के माध्यम से निराकरण करने की जानकारी भी प्राप्त होती है।

इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित छह विषय हैं :

1. कुण्डली विज्ञान
2. प्रारम्भिक फलित ज्योतिष
3. प्रारम्भिक अष्टकवर्ग
4. प्रारम्भिक गोचर विज्ञान
5. प्रारम्भिक मुहूर्तशास्त्र
6. प्रारम्भिक उपचार ज्योतिष

पाठ्यसामग्री : पाठ्यक्रम की पाठ्यसामग्री संस्थान द्वारा उपलब्ध करवायी जाती है। यह संस्थान के विषय विशेषज्ञों द्वारा लिखी हुई तथा छपी हुई पुस्तकों में दी जाती है। ये पुस्तकें बाजार में उपलब्ध नहीं होती। पाठ्यसाग्रमी पूर्णतः पाठ्यक्रम पर आधारित होती है। पाठ्य सामग्री को पढ़ते समय किसी प्रकार की शंका हो, उसके लिए 24 घण्टे हैल्प लाइन उपलब्ध रहती है।

प्रमाणपत्र : परीक्षा में आवश्यक उत्तीर्णांक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र दिया जाता है।

DASc

Duration 1 Year

Diploma in Astrological Sciences

ज्योतिर्विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (DASc) भारतीय ज्योतिष की प्रचलित विधाओं पर आधारित प्रोफेशनल पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में शिक्षार्थी कुण्डली से सम्बन्धित प्रायः सभी प्रकार की गणना पद्धतियों में प्रवीणता अर्जित कर लेता है। देश-विदेश सभी स्थानों की कुण्डलियाँ आसानी से बना लेता है। साथ ही, समस्त प्रकार की वर्ग कुण्डलियाँ, षड्बल एवं भावबल गणना, सभी प्रकार की दशाओं की गणना इत्यादि में भी वह कुशल हो जाता है। पंचांग की सभी प्रमुख अवधारणाओं की परिगणन प्रविधि की उसे जानकारी हो जाती है। साथ ही, परम्परागत एवं आधुनिक मुहूर्त ज्ञात करने में भी वह पारंगत हो जाता है। अष्टकवर्ग की सभी गणनाओं के अतिरिक्त वह उनके आधार पर फलकथन के सभी प्रमुख सिद्धान्तों को भी वह जानने लगता है। गोचर में ग्रह किस प्रकार के फल देते हैं, इसकी जानकारी के साथ-साथ शनि साढ़ेसाती एवं ढैया की परम्परागत एवं अंशात्मक पद्धति से भी वह परिचित हो जाता है। वह समाचार पत्र आदि के लिए दैनिक, साप्ताहिक या वार्षिक राशिफल लेखन विधि में भी पारंगत हो जाता है। इस पाठ्यक्रम का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण विषय भारतीय फलित ज्योतिष है। सात पटलों में विभक्त इसकी अध्ययन सामग्री शिक्षार्थी को भारतीय फलित ज्योतिष में प्रवीण करती है। ये सात पटल हैं : 1. परिचय एवं पंचांगफल पटल, 2. राशिफल पटल, 3. ग्रहफल पटल, 4. भावफल पटल, 5. योगफल पटल, 6. दशाफल पटल, 7. मेलापक पटल।

इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित चार विषय हैं :

1. भारतीय गणित ज्योतिष
2. भारतीय फलित ज्योतिष
3. पंचांग एवं मुहूर्तशास्त्र
4. अष्टकवर्ग एवं गोचर विज्ञान

लगभग 3000 पृष्ठों से अधिक की पाठ्य सामग्री

प्रत्येक पुस्तक अपने विषय की एनसाइक्लोपीडिया

पाठ्यसामग्री : पाठ्यक्रम की पाठ्यसामग्री संस्थान द्वारा उपलब्ध करवायी जाती है। यह संस्थान के विषय विशेषज्ञों द्वारा लिखी हुई तथा छपी हुई पुस्तकों में दी जाती है। ये पुस्तकें बाजार में उपलब्ध नहीं होती। पाठ्यसाग्रमी पूर्णतः पाठ्यक्रम पर आधारित होती है। पाठ्य सामग्री को पढ़ते समय किसी प्रकार की शंका हो, उसके लिए 24 घण्टे हैल्प लाइन उपलब्ध रहती है।

प्रमाणपत्र : परीक्षा में आवश्यक उत्तीर्णांक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र दिया जाता है।

ADASc

Duration 2 Years

Advanced Diploma in Astrological Sciences

ज्योतिर्विज्ञान में उच्चतर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (ADASc) ज्योतिष की प्रचलित विधाओं पर आधारित एडवांस्ड प्रोफेशनल पाठ्यक्रम है। इसमें DASc शामिल है। इसके अलावा द्वितीय सत्र में भारतीय फलित ज्योतिष की उच्चतर प्रविधि वर्ग कुण्डलियों से फलित में पारंगत किया जाता है। वर्षकुण्डली निर्माण एवं उसके आधार पर फलकथन के साथ-साथ प्रश्नकुण्डली से फलकथन की प्रविधियों में भी प्रवीण किया जाता है। अंक ज्योतिष के अन्तर्गत भारतीय एवं पाश्चात्य दोनों ही अवधारणाओं की शिक्षा दी जाती है। साथ ही टैरो कार्ड रीडिंग में भी प्रशिक्षण दिया जाता है। इस पाठ्यक्रम की प्रमुख विशेषता लघुशोध है, इसके अन्तर्गत शिक्षार्थी विषय विशेष पर शोधकार्य करते हैं। इससे उनमें ज्योतिष की व्यावहारिक समझ तो उत्पन्न होती ही है, साथ ही शोध की प्रवृत्ति भी विकसित होती है।

प्रथम सत्र

1. भारतीय गणित ज्योतिष
2. भारतीय फलित ज्योतिष
3. पंचांग एवं मुहूर्तशास्त्र
4. अष्टक वर्ग एवं गोचर

द्वितीय सत्र

1. भारतीय ज्योतिष में वर्गकुण्डलियाँ
2. भारतीय प्रश्नज्योतिष
3. ताज़िक ज्योतिष
4. अंक ज्योतिष एवं टैरो कार्ड
5. लघुशोध (Dissertation)

प्रत्येक पुस्तक अपने विषय की एनसाइक्लोपीडिया

पाठ्यसामग्री : पाठ्यक्रम की पाठ्यसामग्री संस्थान द्वारा उपलब्ध करवायी जाती है। यह संस्थान के विषय विशेषज्ञों द्वारा लिखी हुई तथा छपी हुई पुस्तकों में दी जाती है। ये पुस्तकें बाजार में उपलब्ध नहीं होती। पाठ्यसाग्रमी पूर्णतः पाठ्यक्रम पर आधारित होती है। पाठ्य सामग्री को पढ़ते समय किसी प्रकार की शंका हो, उसके लिए 24 घण्टे हैल्प लाइन उपलब्ध रहती है।

प्रमाणपत्र : परीक्षा में आवश्यक उत्तीर्णांक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र दिया जाता है।

GDASc

Duration 3½ Years

Graduate Diploma in Astrological Sciences

ज्योतिर्विज्ञान में स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम (GDASc) ज्योतिष की प्रचलित विधाओं पर आधारित कम्पलीट एडवांस्ड प्रोफेशनल पाठ्यक्रम है। इसमें DASc और ADASc शामिल हैं। इसके अलावा तृतीय सत्र में ज्योतिष की सटीक विधा के.पी. अर्थात् कृष्णमूर्ति पद्धति का अध्ययन करवाया जाता है। साथ ही, अन्य दूसरी प्रमुख विधा जैमिनि ज्योतिष में भी शिक्षार्थियों का पारंगत करवाया जाता है। इसके अतिरिक्त जहाँ देश-विदेश की भविष्यवाणियों से सम्बन्धित संहिता या मेदिनी ज्योतिष का भी अध्ययन होता है, वहीं उच्चतर शोध कार्य के साथ-साथ रत्न, रुद्राक्ष, यन्त्र, मन्त्र, स्तोत्र, अनुष्ठान, लाल किताब इत्यादि के आधार पर दोषों के निवारण की विधियों की भी जानकारी दी जाती है। इस तीन सत्रीय पाठ्यक्रम को करने के उपरान्त शिक्षार्थी **सम्पूर्ण ज्योतिषी** हो जाता है।

प्रथम सत्र

1. भारतीय गणित ज्योतिष
2. भारतीय फलित ज्योतिष
3. पंचांग एवं मुहूर्तशास्त्र
4. अष्टकवर्ग एवं गोचर विज्ञान

द्वितीय सत्र

1. भारतीय ज्योतिष में वर्गकुण्डलियाँ
2. भारतीय प्रश्नज्योतिष
3. ताज़िक ज्योतिष
4. अंक ज्योतिष एवं टैरो कार्ड
5. लघुशोध (Dissertation)

तृतीय सत्र

1. फलित ज्योतिष की कृष्णमूर्ति पद्धति
2. फलित ज्योतिष की जैमिनि पद्धति
3. ज्योतिषीय उपाय (लाल किताब, रत्न, तन्त्र-मन्त्र आदि उपाय)
4. संहिता ज्योतिष
5. लघुशोध (Dissertation)

पाठ्यसामग्री : पाठ्यक्रम की पाठ्यसामग्री संस्थान द्वारा उपलब्ध करवायी जाती है। यह संस्थान के विषय विशेषज्ञों द्वारा लिखी हुई तथा छपी हुई पुस्तकों में दी जाती है। पाठ्य सामग्री को पढ़ते समय किसी प्रकार की शंका हो, उसके लिए 24 घण्टे हैल्प लाइन उपलब्ध रहती है।

प्रमाणपत्र : परीक्षा में आवश्यक उत्तीर्णांक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र दिया जाता है।

पाठ्यक्रम की विशेषताएँ

1. सम्पूर्ण पाठ्यसामग्री सहित
2. 24 घण्टे विषय विशेषज्ञों की हेल्पलाइन।
3. क्लासरूम या पत्राचार के माध्यम से श्रेष्ठ शिक्षण-प्रशिक्षण।
4. मॉडर्न एवं क्लासिकल दोनों ही एस्ट्रोलॉजी पर आधारित।
5. विषय विशेषज्ञों द्वारा निर्मित पाठ्यसामग्री।

पाठ्यक्रम शुल्क विवरण (जीएसटी सहित)

CASc

	फीस		किस्तों में फीस (590 रु. अतिरिक्त)	
सत्र	क्लासरूम*	पत्राचार	क्लासरूम	पत्राचार
---	9440	4720	4030+3000+3000	2950+2360

DASc

	फीस		किस्तों में फीस (590 रु. अतिरिक्त)	
सत्र	क्लासरूम*	पत्राचार	क्लासरूम	पत्राचार
---	17700	8260	8290+5000+5000	3540+2950+2360

ADASc

	फीस		किस्तों में फीस (590 रु. अतिरिक्त)	
सत्र	क्लासरूम*	पत्राचार	क्लासरूम	पत्राचार
प्रथम	17700	8260	8290+5000+5000	3540+2950+2360
द्वितीय	17110	7670	8700+5000+4000	3540+2360+2360

GDASc

	फीस		किस्तों में फीस (590 रु. अतिरिक्त)	
सत्र	क्लासरूम*	पत्राचार	क्लासरूम	पत्राचार
प्रथम	17700	8260	8290+5000+5000	3540+2950+2360
द्वितीय	17110	7670	8700+5000+4000	3540+2360+2360
तृतीय	18290	8850	8880+6000+4000	4130+2950+2360

* CASc में लगभग 40, DASc में लगभग 80 तथा ADASc एवं GDASc में लगभग 80-80 क्लास

शुल्क के भुगतान का तरीका

1. शुल्क 'Jyotish Sagar Pvt. Ltd.' के नाम से चेक से जमा करवाया जा सकता है।
2. शुल्क निम्नलिखित खाते में भी जमा करवाया जा सकता है। जमा करवाते ही फोन पर अवश्य सूचित करें।

Bank : State Bank of India (SBI)
A/c No. : 33794623459
Name : Jyotish Sagar Pvt. Ltd.
Branch : SFS, Mansarovar, Jaipur
IFSC Code : SBIN0031767
Type of Account : Current

ऑन लाइन एप्लाई करने के लिए QR Code को Scan करें।
या www.astrologycourse.in पर लॉग-इन करें

वैधानिक उद्घोषणा : उक्त पाठ्यक्रम किसी भी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध नहीं हैं और न ही किसी सरकारी संस्थान से मान्यता प्राप्त हैं।